

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

गृहिणी से बदलाव की प्रेरक शक्ति तक : वैशाली संघवी का दृढ़ संकल्प और नई पहचान का सफर

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



चालीस की उम्र में नई पहचान बनाने का साहस

“एक महिला के सपनों की कोई उम्र नहीं होती। जरूरत होती है तो बस अपने लिए दोबारा खड़े होने के साहस की!” यह विचार वैशाली संघवी की जीवनयात्रा को सार्थक रूप से व्यक्त करता है। परिवार, रिश्तों और जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने सपनों को पीछे छोड़ चुकी वैशाली ने चालीस की उम्र में अपनी एक नई पहचान बनाने का निर्णय लिया। आत्मविश्वास की कमी, अपनी क्षमताओं को लेकर संदेह और समाज की प्रतिक्रिया का डर जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने अपने अनुभवों को दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा का माध्यम बनाया।

आज वैशाली संघवी टेक स्किल्स कोच, लाइफ कोच, ट्रॉमा हीलर और *Vaishali E Skill Learning LLP* की भागीदार के रूप में कार्यरत हैं। वह विशेष रूप से 30 से 40 वर्ष की महिलाओं को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देकर करियर की नई शुरुआत करने में मार्गदर्शन देती हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण करियर से दूर हुई या अपनी क्षमताओं को लेकर असमंजस में रहने वाली महिलाओं को दोबारा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना उनके काम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अपनी पहचान और आत्मसम्मान को महत्व देने का संदेश

महिलाओं की चुनौतियां केवल तकनीकी ज्ञान की कमी या करियर में आए विराम तक सीमित नहीं होतीं। कई बार अपनी पहचान, आत्मसम्मान और अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं लेने की स्वतंत्रता भी महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं। परिवार की स्वीकृति, दूसरों की प्रशंसा और सामाजिक स्वीकार्यता पाने की कोशिश में अनेक महिलाएं अपनी इच्छाओं और सपनों को पीछे छोड़ देती हैं।

ऐसी परिस्थितियों में वैशाली संघवी महिलाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, स्वयं पर भरोसा करने और अपनी प्रगति को प्राथमिकता देने का संदेश देती हैं। उनका मानना है कि स्वयं के लिए समय निकालना और अपनी आकांक्षाओं को महत्व देना स्वार्थ

नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व और आत्मसम्मान का सम्मान है।

इसी सोच से उन्होंने 'Zeal To Learn 365' नामक लाइफ स्किल्स प्लेटफॉर्म की स्थापना की। इसके माध्यम से वह लोगों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने, अपनी पहचान समझने, नकारात्मक धारणाओं से उबरने और जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए मार्गदर्शन देती हैं।

उनके 'This Is How We Heal' और 'Reborn 360' जैसे विशेष कार्यक्रमों में भावनात्मक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान, व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव और स्वयं के साथ बेहतर संबंध विकसित करने पर जोर दिया जाता है।

अनुभवों से मिली सीख, दूसरों के लिए मार्गदर्शन

वैशाली संघवी के कार्य की खासियत यह है कि वह अपने जीवन के अनुभवों से मिली सीख को दूसरी महिलाओं तक पहुंचाने का प्रयास करती हैं। अपने सपनों को पीछे रखने की पीड़ा और स्वयं की कीमत पहचानने के संघर्ष को उन्होंने करीब से अनुभव किया है। इसलिए वह महिलाओं को याद दिलाती हैं कि स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व का सम्मान करना है।

उनके लिए सफलता का अर्थ केवल पद, पैसा या प्रसिद्धि हासिल करना नहीं है। किसी व्यक्ति को उसकी आंतरिक क्षमता का एहसास कराना, उसके जीवन में आशा जगाना और उसे आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना भी सफलता का महत्वपूर्ण रूप है। दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन पाना उनके लिए संतोष और कृतज्ञता का विषय है।

वैशाली संघवी की यात्रा महिलाओं को एक महत्वपूर्ण संदेश देती है—जीवन में नई शुरुआत करने के लिए उम्र कभी अंतिम सीमा नहीं होती। सही दिशा, आत्मविश्वास और प्रयास करने की इच्छा हो, तो अधूरे सपनों को फिर से साकार करने की राह बनाई जा सकती है। चालीस की उम्र सपनों पर विराम लगाने का नहीं, बल्कि अपने जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर भी बन सकती है।

संपर्क विवरण

मोबाइल: 9922770946

ई-मेल: sanghvivaishali23@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.